02/09/2020 IMG_20200902_092623.jpg

UGC Journal No. 40942,
Impact Factor 3.112, ISSN 0973-3914
Vol.- XXVII, Hindi-I, Year-14, March., 2019

हिन्दी साहित्यः इक्कीसवीं सदी अध्ययन-अध्यापन और शोध के नये आयाम

• दिनेश श्रीवास

सारांश- किसी भी भाषा का उदय सदियों की प्रक्रिया होती है। इसके बाद भी भाषा का स्पष्ट रूप कई वर्षो बाद प्राप्त होता है। हिन्दी भाषा के साथ भी ऐसा ही हुआ है। संस्कृत से लेकर हिन्दी तक की यात्रा में अनेक पड़ाव प्राप्त होते हैं। अपभ्रंश से हिन्दी का आविर्भाव एक दिन की प्रक्रिया नहीं थी। हिन्दी का स्पष्ट रूप कई वर्षो बाद प्राप्त हुआ। बारहवीं सदी से हिन्दी का स्पष्ट रूप प्राप्त होता है। आज तक के यात्रा में हिन्दी के कई रूप दिखाई देते हैं। आज इक्कीसवीं सदी में हिन्दी पर विचार करते हुए यह ध्यान आता है कि हिन्दी में परिवर्तन हो सकता है। हिन्दी की उपयोगिता की दृष्टि से अनेक विचारणीय पक्ष हमारे सामने उपस्थित हो जाते हैं। इक्कीसवीं सदी के वैज्ञानिक तकनीकी आवश्यकता के अनुरूप हिन्दी में समाहार और समन्वय करने की प्रवृत्ति का विकास होना चाहिए।

मुख्य शब्द– प्रगामी, फॉन्ट, त्रिभाषा–नीति, भाषावाद, भाषायी–राजनीति, विश्वभाषा

शोध पद्धति- प्रस्तुत शोध आलोचनात्मक अध्ययन का उदाहरण है। प्रस्तुत शोध आलेख में मैंने द्वितीयक स्त्रोत का उपयोग किया है। हिन्दी भाषा और साहित्य के विकास पर प्राप्त अनेक ग्रन्थों को संदर्भ के रूप में लिया गया है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और प्रिन्ट मीडिया में व्याप्त हिन्दी भाषा की अनेक गतिविधियों को संदर्भ के रूप में लिया गया है।

परिचय- हिंदी भाषा में प्रचुर मात्रा में साहित्य उपलब्ध है। हिन्दी, भाषा के रूप में कई प्रकार की भूमिकाऐं प्रस्तुत करती है, इसलिए हिन्दी को केवल साहित्य तक ही सीमित न रख कर उसके भाषायी पक्षों पर भी विचार करना चाहिए। हिन्दी भाषा के प्रयोग के दो मुख्य आयाम हैं-प्रथम है, हिन्दी भाषा का भाषागत प्रयोग और द्वितीय है हिन्दी भाषा में लिखा गया साहित्य। वर्तमान समय में हम हिन्दी भाषा का कई रूपों में प्रयोग कर रहे हैं। हम हिन्दी भाषा के लिए राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्कभाषा, मानकभाषा, वाणिज्य-व्यापार की भाषा, मीडिया की भाषा, विज्ञान प्रौद्योगिकी की भाषा, पत्रकारिता की भाषा आदि कई शब्द उपयोग करते हैं। अभी कुछ दिनों से एक और शब्द हिन्दी के लिए प्रयोग किया जाने लगा है, वह है विश्व भाषा। विश्व भाषा अर्थात् अंतर्राष्ट्रीय भाषा, विश्व स्तर की भाषा या विश्व के अनेक देशों में व्यवहार की जानी वाली भाषा के रूप में, संयुक्त राष्ट्र संघ की भाषा के रूप में आदि।

इक्कीसवीं सदी में में हिन्दी के समक्ष चुनौतियाँ- हिन्दी भाषा का

========================

• सहायक प्राध्यापक, हिन्दी, शासकीय ई.व्ही.पी.जी. महाविद्यालय, कोरबा (छ.ग.)

PRINCIPAL,
GOVT. ENGINEER VISHWESARRAIYA
P.G. COLLEGE, KORBA (C.G.)

GOVT. E.V.P.G. COLLEGE ★ KORBA ★

https://mail.google.com/mail/u/0/?tab=wm&ogbl#inbox/FMfcgxwJXfprTNQbGHwxWbRgpHqHSLSH?projector=1&messagePartId=0.1 1/1